''माउंट आबू बर्ड फेस्टिवल-2026'' का भव्य शुभारंभ, देशभर के पक्षी विशेषज्ञ जुटे

महोत्सव में देशभर से पक्षी विज्ञानी, बर्ड एक्सपर्ट, वैज्ञानिक, वन्यजीव संरक्षणकर्ता और प्रकृतिप्रेमी पहुंचे

उदयपुर/माउंट आबू। अरावली की हरी-भरी वादियों में शनिवार को पक्षियों की चहचहाहट, प्रकृति की अनूठी विविधता और संरक्षण के संकल्प के साथ पहले ''माउंट आबू बर्ड फेस्टिवल-2026'' का भव्य शुभारंभ हुआ। राजस्थान के एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू में पहली बार आयोजित इस दो दिवसीय महोत्सव में देशभर से पक्षी विज्ञानी, बर्ड एक्सपर्ट, वैज्ञानिक, वन्यजीव संरक्षणकर्ता और प्रकृतिप्रेमी जुटे। सुबह आयोजित बर्ड वाचिंग में 25 से अधिक प्रजातियों के पक्षियों के दर्शन हुए, वहीं तितलियों की लाइव लाइफ साइकल और दो हजार से अधिक पक्षी आधारित डाक टिकटों की प्रदर्शनी ने विद्यार्थियों और प्रकृतिप्रेमियों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। करीब 400 विद्यार्थियों की सहभागिता वाले इस आयोजन ने माउंट आबू की समृद्ध जैव विविधता को जानने और उसके संरक्षण का महत्वपूर्ण मंच उपलब्ध कराया।



माउंट आबू में आयोजित बर्ड फेस्टिवल में लगाई गई प्रदर्शनी का विद्यार्थियों ने अवलोकन किया।

- **बर्ड वाचिंग में 25 से अधिक प्रजातियों के पक्षियों के दर्शन हुए, वहीं तितलियों की लाइव लाइफ साइकल और दो हजार से अधिक पक्षी आधारित डाक टिकटों की प्रदर्शनी ने विद्यार्थियों और प्रकृतिप्रेमियों का विशेष ध्यान आकर्षित किया**

ग्रीन पीपल सोसायटी (जीपीएस), उदयपुर के तत्वावधान में राजस्थान वन विभाग, विश्व प्रकृति निधि (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की आंतरिक सुरक्षा अकादमी के सहयोग से आयोजित बर्ड फेस्टिवल का उद्घाटन शनिवार को आंतरिक सुरक्षा अकादमी परिसर में हुआ। यह आयोजन माउंट आबू के प्रसिद्ध प्रकृतिविद् एवं पक्षी प्रेमी स्वर्गीय अनिल माथुर की स्मृति तथा उनके प्रकृति संरक्षण के प्रयासों को समर्पित है। उद्घाटन समारोह में संभागीय मुख्य वन संरक्षक सुनील छिब्री, उप वन संरक्षक सिरोही डॉ. अजीत उचोई, माउंट आबू नगरपालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य, उपखंड अधिकारी सिरोही राकेश श्रीवास्तव, लेफ्टिनेंट कर्नल सुमित भारद्वाज, आंतरिक सुरक्षा अकादमी के कमांडेंट महेंद्र कुमार, ग्रीन पीपल सोसायटी अध्यक्ष राहुल भटनागर, उपाध्यक्ष विक्रम सिंह एवं डॉ. शरद श्रीवास्तव, उप वन संरक्षक वन्यजीव मंडल उदयपुर अनुराग भटनागर, डॉ. सुजीत नरवडे, श्याम दवे, रमा सिंह, डॉ. बाशोबी भटनागर, गजेंद्र सिंह, विक्रम सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी महेंद्र कुमार नानीवाल सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

बर्ड फेस्टिवल का विशेष आकर्षण स्वर्गीय अनिल माथुर की स्मृति में स्थापित प्रकृति संरक्षण पुरस्कार रहा। यह सम्मान राजस्थान के डोड़वा उच्च माध्यमिक विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक सरूपा राम माली को उनके उल्लेखनीय प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण प्रयासों के लिए प्रदान किया गया। उन्हें प्रशस्ति-पत्र एवं 5,001 रुपये की नकद राशि स्वर्गीय अनिल माथुर की पुत्री पूर्णिमा और दामाद रवि माथुर ने भेंट की। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा रंगीन चित्रों से सुसज्जित पक्षी पहचान पुस्तिका और बर्ड फेस्टिवल की स्मारिका का विमोचन किया गया। साथ ही माउंट आबू निवासी डॉ. अरुण शर्मा की पुस्तक रक्त सूत्र का भी विमोचन हुआ।

बर्ड फेस्टिवल की शुरुआत सुबह प्रकृति के बीच पक्षी अवलोकन से हुई। वन विभाग के सहयोग से आबू पर्वत अभयारण्य के तीन अलग-अलग प्रकृति पथों पर बर्ड वाचिंग आयोजित की गई। बर्ड एक्सपर्ट डॉ. सतीश शर्मा, विक्रम सिंह, राहुल भटनागर, वीरेंद्र सिंह बेड़सा, डॉ. कमलेश शर्मा, विनय दवे, दर्शन मेनारिया और कनिष्क कोठारी सहित विशेषज्ञों ने पक्षी प्रेमियों को विभिन्न प्रजातियों की पहचान कराई। इस दौरान ग्रीन मुनिया, सिल्वर बिल मुनिया, शॉवलर, टफ्टेड पोचार्ड, पिनटेल, पर्पल स्वाम्फेन, कॉमन पोचार्ड, ग्रे हेरॉन, सैंडपाइपर, वैगटेल, इग्रेट, कॉर्मोरेंट, ठोब, कूट, रेड वेंटेड बुलबुल, ट्री पाई और मैना सहित 25 से अधिक प्रजातियों के पक्षी दिखाई दिए।

बर्ड फेस्टिवल में पक्षियों के साथ तितलियों की दुनिया भी आकर्षण का केंद्र रही। डूंगरपुर के बटरफ्लाई एक्सपर्ट मुकेश पंवार ने राजस्थान की प्रमुख तितली प्रजातियों के बारे में जानकारी देते हुए पांच तितलियों की लाइव लाइफ साइकल प्रदर्शित की। इसी प्रकार उदयपुर की फिलैटली विशेषज्ञ पुष्पा खमेसरा ने भारत सहित विभिन्न देशों के दो हजार से अधिक पक्षी आधारित डाक टिकटों की अनूठी प्रदर्शनी लगाई। फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी, मैक्स आर्ट, राजस्थान वन विकास निगम और डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के उत्पादों एवं साहित्य की प्रदर्शनी भी लगाई गई। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए संभागीय मुख्य वन संरक्षक सुनील छिब्री ने माउंट आबू की समृद्ध जैव विविधता के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। ग्रीन पीपल सोसायटी के अध्यक्ष राहुल भटनागर ने स्वागत उद्बोधन में बर्ड फेस्टिवल के उद्देश्यों और इसकी आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

हिस्ट्रीशीटर की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या

अधमरा छोड़कर आरोपी भागे, हॉस्पिटल ले जाते समय तोड़ा

नापासर, (निसं) क्षेत्र में हिस्ट्रीशीटर की पीट-पीटकर हत्या करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने युवक पर लाठी-डंडों से वार किए और अधमरी हालत होने पर छोड़कर भाग गए। लहूलुहान हालत में हिस्ट्रीशीटर को देखकर आसपास के लोगों ने उसे संभाला और हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया गया है। घटना नापासर थाना क्षेत्र के गुसाईंसर गांव में शनिवार शाम की है।

जानकारी के अनुसार, रामस्वरूप निम्बडिया नापासर थाने का हिस्ट्रीशीटर है। शनिवार की शाम गुसाईंसर गांव में कुछ बदमाशों ने उस पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। अधमरी हालत में उसे छोड़कर आरोपी मौके से फरार हो गए। आसपास मौजूद लोग रामस्वरूप को पीबीएम अस्पताल स्थित ट्रॉमा सेंटर ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

सूचना मिलने पर नापासर थानाधिकारी कविता पूनिया पुलिस जाब्ते के साथ घटनास्थल पर पहुंचीं। गंगाशहर सीओ प्रहलाद राय भी मौके पर पहुंचे। थानाधिकारी ने बताया कि रामस्वरूप के साथ मारपीट किन कारणों से हुई और इसमें कौन-कौन शामिल थे, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। फिलहाल आरोपियों की पहचान और घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

अलवर में सूने मकान को चोरों ने निशाना बनाया

अलवर, (निसं)। शहर के एनईबी थाना क्षेत्र में चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर 60 फीट रोड स्थित रामनगर में शनिदेव मंदिर के पास एक ट्रांसपोर्ट व्यापारी के मकान के ताले तोड़कर नकदी और सोने के जेवरात सहित करीब ढाई लाख रुपए का माल चोरी कर ले गए।

पीड़ित अतुल शर्मा ने बताया कि वह अपने पूरे परिवार के साथ गुजरात के बड़ौदा गए हुए थे। शनिवार को जब परिवार वापस घर लौटा तो मकान के ताले टूटे मिले। अंदर जाकर देखा तो कमरों का सामान बिखरा पड़ा था और अलमारियों में रखा कीमती सामान गायब था। पीड़ित के अनुसार चोर घर से करीब 30 हजार रुपए नकद, सोने की अंगूठी, लड्डू गोपाल जी की सोने की बांसुरी, सोने के कानों के कुंडल सहित अन्य कीमती सामान चोरी कर ले गए। वारदात में करीब दो से ढाई लाख रुपए के नुकसान का अनुमान है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शिकायत दर्ज कर जांच शुरू की।

अलवर की ओपन जेल में बंद 75 वर्षीय कैदी की संदिग्ध मौत

तबीयत बिगड़ने पर कैदी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया था

अलवर, (निसं)। अलवर की ओपन जेल में सजा काट रहे 75 वर्षीय बंदी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। तबीयत बिगड़ने पर कैदी को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। शनिवार को जिला अस्पताल में मेडिकल बोर्ड से मृतक का पोस्टमार्टम करवाया गया। मृतक की पहचान कमल गिरी उर्फ कमल सिंह (75) पुत्र रामरतन निवासी बीजवा के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार कमल गिरी हिंडौन थाना क्षेत्र के एक मामले में धारा 302 के तहत सजा काट रहे थे और वर्तमान में अलवर की ओपन जेल में निरुद्ध थे। बताया गया कि 26 नवंबर को अचानक कैदी की तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उसे उपचार के लिए अलवर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। फिलहाल मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। डिप्टी जेलर माधाराम ने बताया कि बंदी की तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

युवक से ठगी

सीकर, (निसं)। सीकर में युवक से 2.32 लाख रुपए के साइबर फ्रॉड का मामला सामने आया है। युवक के अकाउंट से बिना कोई ओटीपी या कॉल के यह रुपए निकल गये। अब साइबर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस संबंध में मदनलाल निवासी तिवाड़ी की ढाणी ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि 26 नवंबर को उनके बैंक अकाउंट से 2.32 लाख रुपए निकल गए। उनके पास कोई भी ओटीपी या कॉल नहीं आया। उन्होंने जब अपने बैंक का बैलेंस चेक किया तब रुपए निकलने का पता चला। इसके बाद उन्होंने साइबर पोर्टल 1930 पर शिकायत की और पुलिस में मामला दर्ज करवाया। अब पुलिस उस बैंक डिटेल के बारे में जानकारी जुटा रही है।

अजमेर में शराब और पैसों के विवाद में फकीर की ईंट से वार कर हत्या की थी

हत्या के मामले में पुलिस ने उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के रहने वाले करणसिंह जाटव को गिरफ्तार किया

अजमेर, (निसं)। शहर के गंज थाना क्षेत्र में हुई वारदात का पुलिस ने खुलासा करते हुए हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। होटल शोभराज के पीछे मिले अज्ञात फकीर के शव के मामले में पुलिस ने उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के रहने वाले करणसिंह जाटव को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि शराब पीने और पैसों के बंटवारे को लेकर हुए विवाद के चलते आरोपी ने फकीर की हत्या कर दी थी।

पुलिस के अनुसार, 23 तारीख को होटल शोभराज के पीछे एक अज्ञात फकीर का शव मिला था। घटना की जानकारी मिलने के बाद गंज थाना पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू की। मृतक की पहचान और हत्या के आरोपी तक पहुंचना पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ था। मामले का खुलासा करने के लिए पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। इस दौरान करीब 100 होटलों के सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई। इसके साथ ही पुलिस ने लगभग 200 खानाबदोश लोगों से पूछताछ कर संदिग्धों के बारे में जानकारी जुटाई। लगातार जांच, पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस आरोपी तक पहुंचने में सफल रही। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक और आरोपी पिछले करीब एक महीने से एक-दूसरे के परिचित थे। दोनों अक्सर साथ बैठकर शराब पीते थे। इस दौरान शराब और पैसों के बंटवारे को लेकर उनके बीच कई बार विवाद भी हुआ था। इसी विवाद और रंजिश के चलते आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के मुताबिक, सुबह करीब 4:30 से 5 बजे के बीच फकीर सो रहा था। इसी दौरान आरोपी ने उसके सिर पर ईंट से वार कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया था। मामले की जांच में जुटी पुलिस ने लगातार सुराग जुटाए और संदिग्धों से पूछताछ कर आरोपी की पहचान की। इसके बाद पुलिस ने करण सिंह जाटव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आरोपी से मामले के संबंध में आगे पूछताछ कर रही है।

- **होटल के पीछे अज्ञात फकीर का शव मिला था, पुलिस ने 100 होटलों के सीसीटीवी खंगाले और 200 खानाबदोश लोगों से पूछताछ की**
- **पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक और आरोपी पिछले करीब एक महीने से एक-दूसरे के परिचित थे, दोनों अक्सर साथ बैठकर शराब पीते थे**

टोंक क्षेत्र में खेत में काम कर रही महिला पर वन्य जीव का हमला

महिला के गले में कपड़ा लिपटा होने के कारण उसकी जान बच गई

टोंक, (निसं)। राजमहल थाना क्षेत्र के देवीखेड़ा सड़क मार्ग के निकट खेत में कृषि कार्य कर रही एक महिला पर वन्य जीव ने हमला कर दिया। हमले में महिला के चेहरे पर पंजों के घाव देखे गये है। घटना के दौरान महिला के गले में कपड़ा लिपटा होने के कारण उसकी जान बच गई, जिसके बाद ग्रामीणों में हड़कंप मच गया और लोग खेतों की ओर दौड़ पड़े।

जानकारी के अनुसार, राजमहल निवासी मोतियां देवी रैगर (65) पत्नी मथुरा लाल खेत में खरपतवार हटाने का कार्य कर रही थी। इसी दौरान अचानक वन्य जीव ने उस पर हमला कर दिया, जिससे महिला दूर जा गिरी। हमले में उसके चेहरे पर दांतों के घाव हो गए। महिला ने बताया कि घटना के समय वन्यजीव ने अचानक गर्दन पर वार किया, लेकिन गले में कपड़ा लिपटा होने से हमले का असर कम हुआ और उसकी जान बच गई। घटना के बाद ग्रामीण घायल महिला को राजमहल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे घर भेज दिया गया। घटना की सूचना पर वन विभाग नाका राजमहल के सहायक वनपाल सहित वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने खेत के आसपास वन्य जीव के पंजों के निशान तलाशे। प्रारंभिक जांच में हमलावर वन्य जीव के जंगली शियार या जरख होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, वन्यजीव की पहचान की पुष्टि नहीं हुई है। महिला पर हमले की घटना के बाद गांव में भय का माहौल बन गया। ग्रामीण खेतों की ओर दौड़े और आसपास के क्षेत्र में वन्य जीव की मौजूदगी को लेकर चिंता जताई। इसी प्रकार जिले के अलीगढ़ कस्बे में शनिवार को एक पैंथर के स्कूल बाथरूम में घुसने के बाद वन विभाग ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। ग्रामीणों ने बताया कि एक माह से क्षेत्र में पैंथर की आवाजाही के बाद अब आबादी तक उसकी पहुंचने से ग्रामीणों में दहशत है। टीम ने बताया कि अभियान के बाद सांयकाल को पैंथर को पकड़ लिया गया है।

- **हमले में महिला के चेहरे पर पंजों के घाव देखे गये**

कपासन में किसान पर मधुमक्खियों का हमला, मौत

कपासन, (निसं)। कपासन के रेणका खेड़ा गांव में शनिवार को खेत पर कृषि कार्य करते समय मधुमक्खियों के हमले में किसान शंकर (44) की मौत हो गई। परिजन और ग्रामीण उन्हें तुरंत कपासन उप जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

बालारडा के सरपंच प्रतिनिधि प्रकाश सुथार ने बताया कि शंकर पुत्र भेरा भील शनिवार को खेत पर काम कर रहे थे। इसी दौरान मधुमक्खियों ने उन पर हमला कर दिया, जिससे वे घायल हो गए। परिजन उन्हें उपचार के लिए कपासन उप जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, डाक्टर ने मृत घोषित किया। सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची और मृतक का पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया।

जयपुर विकास प्राधिकरण
इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004

क्रमांक: जविप्रा/अधि.अभि.(द्र.नदी)/2026/डी-616 दिनांक : 25.11.2026

बिड सूचना संख्या E.E.-(DR)-13/2026-27

द्रव्यवती नदी क्षेत्र में जनपथ पुलिया पर पार्किंग स्थल (दोपहिया/चौपहिया वाहन) को तीन वर्ष के लिये ठेके पर दिये जाने का कार्य हेतु दिनांक 07.12.2026 सायं 6.00 बजे तक ऑनलाईन बिड आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र में उपलब्ध विस्तृत विवरण अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में अथवा राजस्थान सरकार के उपापन पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in or www.eproc.rajasthan.gov.in एवं जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

(UBN No.: JDA2627SSOB00433)

निविदादाता को निविदा में भाग लेने हेतु आवश्यक है कि :-

1. जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाइट www.jda.rajasthan.gov.in पर पंजीकृत हो एवं निविदा में भाग लेने के लिए बोलीदाता को आवेदन करने के लिए निविदा एवं पंजीकरण शुल्क, अमानता राशि एवं आर.आई.एस.एल. प्रोसेसिंग शुल्क ऑनलाईन जमा करनी होगी।
2. ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने के लिए निविदा दाताओं का राजस्थान सरकार के ई-प्राक्यूमेंट पोर्टल www.eproc.rajasthan.gov.in पर पंजिकृत हो

राज.संवाद/सी/26/13814 अधिशाषी अभियन्ता - द्रव्यवती नदी

चोरी हुई बाइक बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर, (निसं)। बनाड़ थाना पुलिस ने बाइक चोरी की एक वारदात का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने दो दिन पहले डिगाड़ी स्थित सैनिकपुरी से एक युवक की मोटरसाइकिल चुराई थी। गिरफ्तार दोनों आरोप मजदूरी करते हैं। पुलिस फिलहाल दोनों आरोपियों से अन्य चोरी की वारदातों के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है। आरोपियों के कब्जे से चोरी की बाइक भी बरामद की गई है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सैनिकपुरी डिगाड़ी निवासी सुनील प्रजापत ने 26 नवंबर की शाम को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में पीड़ित ने बताया कि 26 नवंबर की सुबह करीब 8 बजे उनकी बाइक घर के बाहर खड़ी थी। कुछ देर बाद जब वे बाहर आए तो बाइक वहां से गायब थी। इसके बाद उन्होंने थाने पहुंचकर मामला दर्ज करवाया।

पुलिस ने मामले की जांच करते हुए बापूनगर, अहमदाबाद हाल पाबूपुरा थाना एयरपोर्ट निवासी देवांग नरेश भाई गोस्वामी पुत्र नरेश भाई और कन्हैया नगर, शिकारगढ़ निवासी आकाश राव पुत्र देवासिंह को गिरफ्तार किया। पुलिस फिलहाल दोनों आरोपियों से अन्य चोरी की वारदातों के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है।

जयपुर विकास प्राधिकरण
इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004

क्रमांक: जविप्रा/अधि.अभि.(द्र.नदी)/2026/डी-614 दिनांक : 25.11.2026

बिड सूचना संख्या E.E.-(DR)-11/2026-27

द्रव्यवती नदी क्षेत्र में बोम्बे हॉस्पिटल के पास पार्किंग स्थल (दोपहिया/चौपहिया वाहन) को तीन वर्ष के लिये ठेके पर दिये जाने का कार्य हेतु दिनांक 07.12.2026 सायं 6.00 बजे तक ऑनलाईन बिड आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र में उपलब्ध विस्तृत विवरण अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में अथवा राजस्थान सरकार के उपापन पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in or www.eproc.rajasthan.gov.in एवं जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

(UBN No.: JDA2627SSOB00431)

निविदादाता को निविदा में भाग लेने हेतु आवश्यक है कि :-

1. जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाइट www.jda.rajasthan.gov.in पर पंजीकृत हो एवं निविदा में भाग लेने के लिए बोलीदाता को आवेदन करने के लिए निविदा एवं पंजीकरण शुल्क, अमानता राशि एवं आर.आई.एस.एल. प्रोसेसिंग शुल्क ऑनलाईन जमा करनी होगी।
2. ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने के लिए निविदा दाताओं का राजस्थान सरकार के ई-प्राक्यूमेंट पोर्टल www.eproc.rajasthan.gov.in पर पंजिकृत हो

राज.संवाद/सी/26/13813 अधिशाषी अभियन्ता - द्रव्यवती नदी

जैसलमेर के लाठी क्षेत्र में इस वर्ष पहली बार ''येलो बिटर्न बगुला'' दिखाई दिया

ठाकुर दानसिंह की छतरियों के पास स्थित तालाब में नजर आया आकर्षक पक्षी

जैसलमेर, (निसं)। सरहदी जिले जैसलमेर के वन्यजीव एवं पक्षी बाहुल्य लाठी क्षेत्र में इस वर्ष पहली बार ''येलो बिटर्न'' प्रजाति का बगुला दिखाई दिया है। कस्बे में ठाकुर दानसिंह की छतरियों के समीप स्थित तालाब में इस आकर्षक पक्षी को देखे जाने से पर्यावरण प्रेमियों और पक्षी अवलोकन करने वालों में उत्साह है। लाठी क्षेत्र में इस प्रजाति की पहली मौजूदगी सामने आने से स्थानीय पक्षी विविधता को लेकर भी नई जानकारी मिली है।



जैसलमेर के पक्षी बाहुल्य लाठी क्षेत्र में ''येलो बिटर्न'' प्रजाति का बगुला देखा गया।

- **स्थानीय जैव विविधता के लिहाज से ''येलो बिटर्न बगुला'' की मौजूदगी महत्वपूर्ण मानी जा रही है**

जानकारी के अनुसार राजस्थान के अन्य जिलों में ''येलो बिटर्न बगुला'' पहले भी देखा जा चुका है, लेकिन लाठी क्षेत्र में पहली बार इसका नजर आना खास माना जा रहा है। वन्यजीवों और पक्षियों के लिए अनुकूल प्राकृतिक वातावरण वाले लाठी क्षेत्र में तालाब, जलभराव वाले स्थान तथा आसपास की वनस्पति अनेक पक्षी प्रजातियों को आकर्षित करती है। ऐसे में ''येलो बिटर्न बगुला'' की मौजूदगी क्षेत्र के प्राकृतिक परिवेश और जैव विविधता के महत्व को दर्शाती है।

येलो बिटर्न बगुला प्रजाति का एक आकर्षक पक्षी है, जिसकी लंबाई सामान्यत: 36 से 38 सेंटीमीटर के आसपास होती है। इसके शरीर का पीला रंग, छोटी गर्दन तथा लंबी चोंच इसकी प्रमुख पहचान हैं। इसका शरीर और रंग-रूप इसे अन्य बगुला प्रजातियों से अलग पहचान प्रदान करता है। यह सामान्यत: शांत स्वभाव का पक्षी होता है और जलाशयों के आसपास भोजन तलाशते हुए दिखाई देता है। येलो बिटर्न मुख्य रूप से छोटी मछलियों, कीट-पतंगों और उभयचर जीवों को अपना भोजन बनाता है। तालाबों, जलभराव वाले क्षेत्रों तथा सरकंडों और ऊंची घास से घिरे स्थान इसके अनुकूल प्राकृतिक आवास माने जाते हैं। ऐसे क्षेत्रों में यह पानी के किनारे और वनस्पति के बीच छिपकर भोजन तलाशता है। प्रजनन के दौरान ऊंची घास और सरकंडों के बीच घोंसला बनाने की प्रवृत्ति भी इसकी प्राकृतिक जीवनशैली का हिस्सा है।

लाठी क्षेत्र में ''येलो बिटर्न बगुला'' की पहली मौजूदगी को पक्षी प्रेमी स्थानीय जैव विविधता के लिहाज से महत्वपूर्ण मान रहे हैं। क्षेत्र में विभिन्न पक्षी प्रजातियों का दिखाई देना प्राकृतिक जलस्रोतों, वनस्पति और आसपास के पारिस्थितिकी तंत्र के महत्व को सामने लाता है। तालाबों और प्राकृतिक आवासों का संरक्षण पक्षियों के लिए भोजन, आश्रय और प्रजनन की अनुकूल परिस्थितियां बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लाठी क्षेत्र में येलो बिटर्न का दिखाई देना प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का नया विषय बन गया है।